প্রদত্ত তথ্য এবং বিস্তৃত বৈজ্ঞানিক ঐকমত্যের ভিত্তিতে, **ভারতে প্রথম আধুনিক মানুষ** যারা এসেছিল, তারা ছিল প্যালিওলিথিক যুগের শিকারী-সংগ্রাহক গোষ্ঠী, যারা আফ্রিকা থেকে স্থানান্তরিত হয়েছিল। এই গোষ্ঠীগুলি আজকের ভারতীয় জনসংখ্যার বেশিরভাগের পূর্বপুরুষের ভিত্তি।

নিম্নে প্রমাণের ভিত্তিতে বিষয়টির বিশ্লেষণ দেওয়া হল:

* **আফ্রিকায় উৎপত্তি**: সমস্ত আধুনিক মানুষ (Homo sapiens) আফ্রিকায় উৎপন্ন হয়েছিল। প্রায় ৬০,০০০ থেকে ৮০,০০০ বছর আগে, এই মানুষের ছোট গোষ্ঠী মহাদেশ থেকে স্থানান্তর শুরু করে, সম্ভবত আরব উপদ্বীপের উপকূলীয় পথ ধরে ভারতীয় উপমহাদেশে প্রবেশ করে।

* **"প্রথম ভারতীয়"**: এই প্রাথমিক স্থানান্তরকারীরা ছিলেন "প্রথম ভারতীয়"। জেনেটিক গবেষণা দেখায় যে তাদের পূর্বপুরুষের অংশ এখনও ভারতে প্রধান, যা আধুনিক ভারতীয় জনগোষ্ঠীর **৫০% থেকে ৬৫% জেনেটিক পূর্বপুরুষ** গঠন করে।

* **Haplogroup M**: ভারতে mitochondrial DNA (mtDNA) haplogroup M-এর উচ্চ হার (কিছু জনগোষ্ঠীতে ৬০% এর বেশি) এই প্রাথমিক স্থানান্তরের একটি মূল চিহ্ন। এই haplogroup-টি এশিয়ার প্রাথমিক মাতৃবংশের একটি সমষ্টি হিসেবে বিবেচিত এবং প্রথম

বসতি স্থাপনকারীদের সাথে সরাসরি সংযোগ স্থাপন করে। কুড়ুমি জনগোষ্ঠীর তথ্য, যেখানে ৭০% haplogroup M পাওয়া গেছে, এটি একটি উৎকৃষ্ট উদাহরণ।

* **প্রাচীন বংশ**: Haplogroup M2 এবং M31 (কুড়ুমি গবেষণায় পাওয়া) এই গভীর ইতিহাসের আরও নির্দিষ্ট প্রমাণ দেয়। M2-এর বয়স ৬০,০০০ বছরের বেশি, আর M31 হল আন্দামান-নির্দিষ্ট haplogroup, যা ভারতে প্রায় ৬৫,০০০ বছর ধরে উপস্থিত। আন্দামান দ্বীপবাসীরা এই প্রথম স্থানান্তরকারীদের সবচেয়ে জেনেটিকভাবে বিচ্ছিন্ন বংশধর হিসেবে বিবেচিত, এবং কুড়ুমির মতো মূল ভূখণ্ডের জনগোষ্ঠীতে তাদের বংশের উপস্থিতি একটি সরাসরি সংযোগ দেখায়।

* **কুড়ুমি ও মুন্ডার মধ্যে haplogroup R6-এর মিথস্ক্রিয়া**: কুড়ুমি জনগোষ্ঠী, যারা প্রধানত পশ্চিমবঙ্গ, ঝাড়খণ্ড এবং ওড়িশায় বসবাস করে এবং ঐতিহাসিকভাবে কৃষি-সম্পর্কিত সম্প্রদায় হিসেবে পরিচিত, তাদের mtDNA-তে haplogroup R6-এর উপস্থিতি পাওয়া গেছে (৫–১৫% হারে অনুমান করা হয়)। R6, একটি দক্ষিণ এশিয়া-নির্দিষ্ট haplogroup, প্রায় ২০,০০০–৫০,০০০ বছর আগে উদ্ভূত হয়েছিল এবং এটি মুন্ডার মতো অস্ট্রো-এশিয়াটিক জনগোষ্ঠীসহ বিভিন্ন ভারতীয় গোষ্ঠীতে পাওয়া যায়। মুন্ডারা, যারা প্রায় ৪,০০০–৫,০০০ বছর আগে দক্ষিণ-পূর্ব এশিয়া থেকে পুরুষ বংশধরদের (Y-haplogroup O2a) মাধ্যমে ভারতে এসেছিল, স্থানীয় মহিলাদের সাথে মিশ্রণের মাধ্যমে R6 এবং R7-এর মতো মাতৃবংশ অর্জন করেছিল। মুন্ডাদের মধ্যে R7 বিশেষভাবে প্রচলিত (২০–৩০% হারে)। কুড়ুমি ও মুন্ডা উভয়ের মধ্যে R6-এর উপস্থিতি

পূর্ব ভারতে তাদের দীর্ঘকালীন সহাবস্থানের কারণে দ্বিমুখী জিন প্রবাহের ইঙ্গিত দেয়। কুড়ুমি মহিলারা, যারা R6 বহন করে, মুন্ডা সম্প্রদায়ে বিবাহের মাধ্যমে এই বংশ অবদান রাখতে পারত, ঠিক যেমন মুন্ডা মহিলারা R6 বা R7 নিয়ে কুড়ুমিদের প্রভাবিত করতে পারত, যা "প্রথম ভারতীয়"দের থেকে উদ্ভূত একটি ভাগ করা আঞ্চলিক জিন পুলকে প্রতিফলিত করে।

* **পরবর্তী স্থানান্তরের আগে**: এই প্রাথমিক শিকারী-সংগ্রাহকরা ভারতের জনসংখ্যাকে গঠনকারী অন্যান্য প্রধান স্থানান্তর তরঙ্গের অনেক আগে এসেছিল। উদাহরণস্বরূপ, মুন্ডা জনগোষ্ঠী (haplogroup R6 এবং R7 দ্বারা চিহ্নিত) অনেক পরে, সম্ভবত দক্ষিণ-পূর্ব এশিয়া থেকে ভারতে স্থানান্তরিত হয়েছিল। একইভাবে, মধ্য এশিয়া থেকে ইন্দো-আর্য স্থানান্তর একটি সাম্প্রতিক ঘটনা, যা প্রায় ৪,০০০ বছর আগে শুরু হয়েছিল।

উপসংহারে, "প্রথম ভারতীয়" কোনো নির্দিষ্ট উপজাতি যেমন মুন্ডারি ছিল না, বরং ৬০,০০০ বছরেরও বেশি আগে উপমহাদেশে বসতি স্থাপনকারী Homo sapiens-এর প্রাথমিক তরঙ্গ ছিল। তাদের বংশধররা, কুড়ুমি ও মুন্ডার মতো গোষ্ঠীতে haplogroup R6 এবং R7-এর মতো পরবর্তী অবদানের সাথে, আজ ভারতের বৈচিত্র্যময় জনসংখ্যার সংখ্যাগরিষ্ঠের পূর্বপুরুষের ভিত্তি গঠন করে।

Hindi Translation

प्रदत्त जानकारी और व्यापक वैज्ञानिक सहमति के आधार पर, **भारत में पहले आधुनिक मानव** जो आए, वे पेलियोलिथिक युग के शिकारी-संग्रहकर्ता समूह थे, जो अफ्रीका से स्थानांतरित हुए थे। ये समूह आज की भारतीय जनसंख्या के अधिकांश के पूर्वजों का आधार हैं।

नीचे प्रमाणों के आधार पर विषय का विश्लेषण दिया गया है:

* **अफ्रीका में उत्पत्ति**: सभी आधुनिक मानव (Homo sapiens) अफ्रीका में उत्पन्न हुए थे। लगभग 60,000 से 80,000 वर्ष पहले, इन लोगों के छोटे समूह महाद्वीप से स्थानांतरण शुरू किए, संभवतः अरब प्रायद्वीप के तटीय मार्ग के माध्यम से भारतीय उपमहाद्वीप में प्रवेश किया।

* **"प्रथम भारतीय"**: ये प्रारंभिक प्रवासी "प्रथम भारतीय" थे। आनुवंशिक अध्ययन दिखाते हैं कि उनकी वंशावली अभी भी भारत में प्रमुख है, जो आधुनिक भारतीय जनसमूहों की **50% से 65% आनुवंशिक वंशावली** बनाती है।

* **Haplogroup M**: भारत में mitochondrial DNA (mtDNA) haplogroup M की उच्च दर (कुछ जनसमूहों में 60% से अधिक) इस प्रारंभिक स्थानांतरण का एक प्रमुख चिह्न है। इस haplogroup को एशिया की प्रारंभिक मातृवंशीय समूह के रूप में माना जाता है और यह प्रथम बसने वालों से सीधा संबंध स्थापित करता है। कुडुमी जनसमूह का डेटा, जिसमें 70% haplogroup M पाया गया, इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

* **प्राचीन वंश**: Haplogroup M2 और M31 (कुडुमी अध्ययन में पाए गए) इस गहरे इतिहास के और अधिक विशिष्ट प्रमाण प्रदान करते हैं। M2 की आयु 60,000 वर्ष से अधिक है, जबकि M31 एक अंडमान-विशिष्ट haplogroup है, जो भारत में लगभग 65,000 वर्षों से मौजूद है। अंडमान द्वीपवासी इन प्रथम प्रवासियों के सबसे आनुवंशिक रूप से पृथक वंशज माने जाते हैं, और कुडुमी जैसे मुख्यभूमि जनसमूहों में उनकी वंशावली की उपस्थिति एक सीधा संबंध दर्शाती है।

* **कुडुमी और मुंडा के बीच haplogroup R6 का अंतःक्रिया**: कुडुमी जनसमूह, जो मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में रहते हैं और

ऐतिहासिक रूप से कृषि-संबंधी समुदाय के रूप में जाने जाते हैं, उनके mtDNA में haplogroup R6 की उपस्थिति पाई गई है (5–15% दर पर अनुमानित)। R6, एक दक्षिण एशिया-विशिष्ट haplogroup, लगभग 20,000–50,000 वर्ष पहले उत्पन्न हुआ और यह मुंडा जैसे ऑस्ट्रो-एशियाटिक जनसमूहों सहित विभिन्न भारतीय समूहों में पाया जाता है। मुंडा, जो लगभग 4,000–5,000 वर्ष पहले दक्षिण-पूर्व एशिया से पुरुष वंश (Y-haplogroup O2a) के माध्यम से भारत आए, स्थानीय महिलाओं के साथ मिश्रण के द्वारा R6 और R7 जैसे मातृवंश प्राप्त किए। मुंडाओं में R7 विशेष रूप से प्रचलित है (20–30% दर पर)। कुडुमी और मुंडा दोनों में R6 की उपस्थिति पूर्वी भारत में उनके लंबे समय तक सह-अस्तित्व के कारण द्विमुखी जीन प्रवाह का संकेत देती है। कुडुमी महिलाएं, जो R6 धारण करती हैं, मुंडा समुदाय में विवाह के माध्यम से इस वंश का योगदान दे सकती थीं, ठीक वैसे ही जैसे मुंडा महिलाएं R6 या R7 के साथ कुडुमियों को प्रभावित कर सकती थीं, जो "प्रथम भारतीयों" से उत्पन्न एक साझा क्षेत्रीय जीन पूल को दर्शाता है।

* **बाद के स्थानांतरण से पहले**: ये प्रारंभिक शिकारी-संग्रहकर्ता भारत की जनसंख्या को आकार देने

वाले अन्य प्रमुख स्थानांतरण तरंगों से बहुत पहले आए थे। उदाहरण के लिए, मुंडा जनसमूह (haplogroup R6 और R7 द्वारा चिह्नित) बहुत बाद में, संभवतः दक्षिण-पूर्व एशिया से भारत में स्थानांतरित हुए। इसी तरह, मध्य एशिया से इंडो-आर्य स्थानांतरण एक हालिया घटना है, जो लगभग 4,000 वर्ष पहले शुरू हुई।

निष्कर्ष में, "प्रथम भारतीय" कोई विशिष्ट, नामित जनजाति जैसे मुंडारी नहीं थे, बल्कि 60,000 वर्ष से अधिक पहले उपमहाद्वीप में बसे Homo sapiens की प्रारंभिक लहर थे। उनके वंशज, कुडुमी और मुंडा जैसे समूहों में haplogroup R6 और R7 जैसे बाद के योगदानों के साथ, आज भारत की विविध जनसंख्या के अधिकांश के पूर्वजों का आधार बनाते हैं।
